



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक प्रज्ञा	6-10-26	01	1-6

सिटी एंकर

एचएयू शोधार्थी ने डेढ़ साल तक एक हजार महिलाओं के शरीर के माप का डेटा जुटाया

HAU ने युवतियों के 55 माप किए दर्ज, शूज-ड्रेस डिजाइन होगा आसान

भारत न्यूज | हिसार



एचएयू वीसी प्रो. बलदेव राज काम्बोज को कॉपीराइट सौंपती रिसर्च टीम।

अब महिलाओं के लिए ड्रेस, शूज, कृषि या घरेलू एसेसरीज तैयार करने वाली कंपनियों को काफी आसानी होगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का एक व्यवस्थित डाटा तैयार किया है।

18 से 21 वर्ष की ग्रामीण और शहरी युवतियों के शरीर के 55 अलग-अलग माप तैयार किए गए हैं। जिनसे महिलाओं की शूज, ड्रेसिंग से लेकर अन्य एसेसरीज तैयार करने में साइज को लेकर समस्या नहीं रहेगी। इस डाटा

रिपोर्ट के लिए आधिकारिक कॉपीराइट भी मिला है। शोध का विषय हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्ट के आधार पर मैनविवन का डिजाइन एवं विकास था। यह शोध चार वर्ष में पूरा हुआ, डेढ़ साल तक डेटा कलेक्शन का काम चला। एचएयू की शोधार्थी खुशबू

व उनकी शोध सलाहकार डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल तथा रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के उपयोग शोधकर्ता, डिजाइनर और उत्पाद बनाने वाली संस्थाएं, महिलाओं के लिए अधिक आरामदायक और उपयोगी सामान तैयार करने में कर सकती हैं।

शोध में तैयार की पांच कैटेगरी और प्रमुख माप

1. ऊंचाई का आयाम: कद-काटी, आंखों की ऊंचाई, कंधे की ऊंचाई, घुटने की ऊंचाई आदि।
2. गहराई एवं चौड़ाई के आयाम: सिर की लंबाई, चेहरे की लंबाई, गर्दन की लंबाई आदि।
3. परिधि के आयाम: सिर की परिधि, गर्दन के बीच घेरा, कमर का घेरा, घुटनों का घेरा आदि।
4. पहुंच के दायरे में: खड़ी अवस्था, कंधे की पकड़ की लंबाई, कोहनी से उंगलियों के पोरों तक की लंबाई आदि।
5. पैर और हाथ के माप: हाथ की लंबाई, पांव की लंबाई, एड़ी की चौड़ाई, शरीर का भार आदि।

हिसार और फतेहाबाद जिले की महिलाओं पर शोध

सामुदायिक विज्ञान कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि शोध के दौरान हिसार और फतेहाबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष की ग्रामीण और शहरी एक हजार महिलाओं के शरीर के 55 अलग-अलग माप लिए गए। जिसमें 500 शहरी व 500 ग्रामीण एरिया की महिलाएं शामिल हैं। ये सभी अविवाहित व बगैर बच्चे वाली युवतियां थीं।

शोध में लिए सभी आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है। इन आंकड़ों में महिलाओं की पहचान को सुरक्षित रखा गया है। महिलाओं के शरीर के आकार और जस्सत के अनुसार कपड़े, फर्नीचर, शूज, कार्यस्थल और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उत्पादों को बेहतर डिजाइन किया जा सकता है।

■ संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का एक व्यवस्थित डाटा तैयार किया है। महिलाओं के लिए बनाए जाने वाले कई उत्पादों का डिजाइन उनकी वास्तविक शारीरिक बनावट और जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना जरूरी है। - प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6-10-26	04	1-5

शिक्षा

महिलाओं की शारीरिक बनावट और जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में मदद मिलेगी

एचएयू को महिलाओं के शारीरिक आंकड़ों के संग्रह का कॉपीराइट

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने प्रदेश की महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का व्यवस्थित डाटा संग्रह तैयार किया है। इसके लिए विश्वविद्यालय को आधिकारिक कॉपीराइट मिला है।

इससे महिलाओं की शारीरिक बनावट और जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने शोधार्थी खुशबू, शोध सलाहकार प्रोमिला कृष्णा चहल



एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज के साथ अधिकारी। स्रोत: विवि

और विभागाध्यक्ष किरण सिंह की सराहना की। संग्रह का उपयोग शोधकर्ता, डिजाइनर और उत्पाद निर्माता महिलाओं के लिए कृषि व घरेलू उपकरणों के साथ

विभिन्न मापों का व्यवस्थित डाटा संग्रह किया तैयार

कपड़े, फर्नीचर, जूते, कार्यस्थल तथा रोजमर्रा के अन्य उत्पाद बेहतर तरीके से डिजाइन करने में कर सकेंगे। खासकर कृषि कार्यों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी को देखते हुए यह सही आकार के कृषि उपकरण विकसित करने में उपयोगी होगा।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता मोनिका शर्मा ने बताया कि शोध के दौरान हिसार और फतेहाबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष की ग्रामीण और शहरी

महिलाओं के माप लिए गए। उनके शरीर के 55 अलग-अलग माप दर्ज किए गए जिनमें लंबाई, चौड़ाई, परिधि, बैठने और खड़े होने की स्थिति तथा हाथ-पैरों से जुड़े माप शामिल हैं। सभी आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है और महिलाओं की पहचान सुरक्षित रखी गई है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि महिलाओं के लिए तैयार होने वाले उत्पाद उनकी वास्तविक शारीरिक बनावट के अनुरूप होने चाहिए। यह संग्रह भविष्य में महिला-केंद्रित उत्पादों के विकास के लिए उपयोगी आधार प्रदान करेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूषि	6-10-26	09	3-6

एचएयू ने तैयार की महिलाओं के 55 शारीरिक मापों की रिपोर्टिरी, मिला कॉपीराइट महिलाओं की कद-काठी के हिसाब से डिजाइन होंगे उपकरण व फर्नीचर

हरिमूनि न्यूज ► हिसार



हिसार व फतेहाबाद जिलों की महिलाओं का लिया माप

महिलाओं के शरीर की वास्तविक बनावट और जरूरतों के अनुरूप उत्पादों के डिजाइन में अब हरियाणा की महिलाओं के शारीरिक आंकड़े मददगार बनेंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शरीर के विभिन्न मापों की व्यवस्थित रिपोर्टिरी तैयार की है। इस महत्वपूर्ण डाटा रिपोर्टिरी के लिए विश्वविद्यालय को आधिकारिक कॉपीराइट मिला है। शोध का विषय हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्टिरी के आधार पर मैनक्विन का डिजाइन एवं विकास था।

इस रिपोर्टिरी को तैयार करने के लिए हिसार और फतेहाबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग की ग्रामीण और शहरी महिलाओं के शरीर के 55 अलग-अलग माप लिए गए। इनमें लंबाई, शरीर की चौड़ाई व परिधि, बैठने और खड़े होने की स्थिति तथा हाथ-पैरों से संबंधित माप शामिल हैं। शोध के दौरान जुटाए गए आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया और महिलाओं की पहचान को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता

डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि रिपोर्टिरी का उपयोग महिलाओं की शारीरिक बनावट के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में किया जा सकता है। इन आंकड़ों के आधार पर कपड़े, फर्नीचर, जूते, कार्यस्थल और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। कृषि कार्यों में महिलाओं की बड़ी मानीदारी को देखते हुए उनके लिए सही आकार और सुविधाजनक कृषि उपकरण विकसित करने में भी यह डाटा उपयोगी होगा।

महिला-केंद्रित उत्पादों के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराएगी रिपोर्टिरी

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि महिलाओं के लिए तैयार किए जाने वाले उत्पादों का डिजाइन उनकी वास्तविक शारीरिक बनावट और जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना जरूरी है। हकूति की यह रिपोर्टिरी भविष्य में महिला-केंद्रित उत्पादों के विकास के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराएगी और आगे होने वाले शोध में भी इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि पर शोधार्थी खुशबू, उनकी शोध सलाहकार डॉ. प्रेमिला कृष्णा चहल तथा विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के शारीरिक आंकड़ों का व्यवस्थित डाटा तैयार होना शोध और उत्पाद विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका लाभ महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और उपयोगी उत्पाद विकसित करने में मिलेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जित समाचार	6-10-26	10	6-8

हकृषि को महिलाओं के शारीरिक आंकड़ों की रिपोर्टिजरी के लिए मिला कॉपीराइट

हिसार, 5 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने महिलाओं के लिए बेहतर और सुविधाजनक उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का एक व्यवस्थित डाटा तैयार किया है। इस डाटा रिपोर्टिजरी के लिए विश्वविद्यालय को आधिकारिक कॉपीराइट भी मिला है। शोध का विषय 'हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्टिजरी के आधार पर मैनेक्रिन का डिजाइन एवं विकास' था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कॉपीराइट मिलने पर शोधार्थी खुशबु व उनकी शोध सलाहकार डा. प्रेमिला कृष्णा चहल तथा विभागाध्यक्ष डा. किरण सिंह को बधाई दी। रिपोर्टिजरी का उपयोग शोधकर्ता, डिजाइनर और उत्पाद बनाने वाली संस्थाएं, महिलाओं के लिए अधिक आरामदायक और उपयोगी सामान तैयार करने में कर सकती हैं। खासकर कृषि कार्यों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ अधिकारीगण।

को देखते हुए उनके लिए सही आकार और सुविधाजनक कृषि उपकरण विकसित करने में यह डाटा उपयोगी होगा। घरेलू कामों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के डिजाइन में भी इन आंकड़ों का उपयोग किया जा सकता है। इससे उपकरणों को महिलाओं के लिए इस्तेमाल करने में आसान और सुरक्षित बनाया जा सकेगा। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि शोध के दौरान हिसार और फतेहाबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष की ग्रामीण और शहरी महिलाओं के शरीर के 55 अलग-अलग माप लिए गए। इनमें महिलाओं की लंबाई, शरीर की चौड़ाई और परिधि, बैठने और खड़े

होने की स्थिति तथा हाथ-पैरों से जुड़े माप शामिल हैं। शोध में लिए गए सभी आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है। इन आंकड़ों में महिलाओं की पहचान को सुरक्षित रखा गया है। तैयार की गई यह रिपोर्टिजरी आगे होने वाले शोध और नए उत्पाद बनाने में काफी उपयोगी हो सकती है। इन आंकड़ों की मदद से भारतीय महिलाओं के शरीर के आकार और जरूरत के अनुसार कपड़े, फर्नीचर, जूते, कार्यस्थल और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उत्पादों को बेहतर तरीके से डिजाइन किया जा सकता है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केशरी	6-10-26	04	03

**हकूति को महिलाओं
के शारीरिक आंकड़ों
की रिपोर्टिरी के
लिए मिला कॉपीराइट**

हिसार, 5 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने महिलाओं के लिए बेहतर और सुविधाजनक उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का एक व्यवस्थित डाटा तैयार किया है। इस डाटा रिपोर्टिरी के लिए विश्वविद्यालय को आधिकारिक कॉपीराइट भी मिला है। शोध का विषय 'हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्टिरी के आधार पर मैनेकिन का डिजाइन एवं विकास' था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कॉपीराइट मिलने पर शोधार्थी खुशबु व उनकी शोध सलाहकार डा. प्रोमिला कृष्णा चहल तथा विभागाध्यक्ष डा. किरण सिंह को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

सच कहूँ

06.10.2026

--

--

नवाचार

हिसार-फतेहाबाद की महिलाओं पर शोध; कृषि व घरेलू उपकरणों को सुरक्षित व सुविधाजनक बनाने में मिलेगा आधार

महिलाओं के लिए अब 'फिट' होंगे उत्पाद, एचएयू ने तैयार किया 55 मापों का डाटा

हिसार, 5 अक्टूबर (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शारीरिक मापों का व्यवस्थित डाटा तैयार किया है। विश्वविद्यालय को इस डाटा रिपोर्ट के लिए आधिकारिक कॉपीराइट भी मिला है। शोध का विषय 'हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्ट के आधार पर मैनिक्विन का डिजाइन एवं विकास' रहा।

शोध के दौरान हिसार और फतेहाबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष की ग्रामीण और शहरी महिलाओं के शरीर के 55 अलग-अलग माप लिए गए। इनमें लंबाई, चौड़ाई, परिधि, बैठने और खड़े होने की स्थिति तथा हाथ-पैरों से जुड़े माप शामिल



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ अधिकारीगण।

हैं। सभी आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है और महिलाओं की पहचान को गोपनीय रखा गया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने शोधार्थी खुशबु, शोध सलाहकार डॉ.

प्रोमिला कृष्णा चहल और विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट भविष्य में महिला-केंद्रित उत्पादों के विकास में उपयोगी आधार उपलब्ध कराएगी।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि डाटा का उपयोग महिलाओं के शरीर के आकार और जरूरत के अनुसार कपड़े, फर्नीचर, जूते, कार्यस्थल, कृषि उपकरण और घरेलू उपकरण डिजाइन करने में किया जा सकता है। इससे उत्पादों को अधिक आरामदायक, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने कहा कि महिलाओं के लिए बनाए जाने वाले उत्पादों में उनकी वास्तविक शारीरिक बनावट को ध्यान में रखना जरूरी है। इस रिपोर्ट से भविष्य में ऐसे उत्पादों के विकास के लिए वैज्ञानिक आधार मिलेगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दीगड़ा व डॉ. योगेश जिंदल उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

सिटी पल्स न्यूज

05.10.2026

--

--

हकृवि को महिलाओं के शारीरिक आंकड़ों की रिपोर्टिजरी के लिए मिला कॉपीराइट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग ने महिलाओं के लिए बेहतर और सुविधाजनक उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने हरियाणा की महिलाओं के शरीर से जुड़े विभिन्न मापों का एक व्यवस्थित डाटा तैयार किया है। इस डाटा रिपोर्टिजरी के लिए विश्वविद्यालय को आधिकारिक कॉपीराइट भी मिला है। शोध का विषय 'हरियाणा राज्य की महिलाओं के मानवमितीय आंकड़ों के रिपोर्टिजरी के आधार पर मैनक्रिन का डिजाइन एवं विकास' था।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कॉपीराइट मिलने पर शोधार्थी खुशबु व उनकी शोध



सलाहकार डा. प्रेमिला कृष्णा चहल तथा विभागाध्यक्ष डा. किरण सिंह को बधाई दी। रिपोर्टिजरी का उपयोग शोधकर्ता, डिजाइनर और उत्पाद बनाने वाली संस्थाएं, महिलाओं के लिए अधिक आरामदायक और उपयोगी सामान तैयार करने में कर सकती हैं। खासकर कृषि कार्यों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी को देखते हुए उनके लिए सही आकार और सुविधाजनक कृषि उपकरण

विकसित करने में यह डाटा उपयोगी होगा। घरेलू कामों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के डिजाइन में भी इन आंकड़ों का उपयोग किया जा सकता है। इससे उपकरणों को महिलाओं के लिए इस्तेमाल करने में आसान और सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मोनिका शर्मा ने बताया कि शोध के दौरान हिसार और फतेहबाद जिलों की 18 से 21 वर्ष

की ग्रामीण और शहरी महिलाओं के शरीर के 55 अलग-अलग माप लिए गए। इनमें महिलाओं की लंबाई, शरीर की चौड़ाई और परिधि, बैठने और खड़े होने की स्थिति तथा हाथ-पैरों से जुड़े माप शामिल हैं।

शोध में लिए गए सभी आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि यह शोध विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि महिलाओं के लिए बनाए जाने वाले कई उत्पादों का डिजाइन उनकी वास्तविक शारीरिक बनावट और जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना जरूरी है। हकृवि द्वारा तैयार यह रिपोर्टिजरी भविष्य में ऐसे महिला-केंद्रित उत्पादों के विकास में उपयोगी आधार उपलब्ध कराएगी।